an>

Title: Need to give soldiers the status of 'Maryrs' who die in accidents on duty.

श्री धर्मवीर (भिवानी-महेन्द्रगढ़) : माननीय अध्यक्ष जी, हम अपने देश के सैनिकों की वजह से सुख की सांस लेते हैं, पिछले एक साल में हमने सेना के करीब 60 जवान विमान क्रैश में खो दिए हैं।...(व्यवधान) ये सब जवान ऑन ड्यूटी थे। मेरे लोकसभा क्षेत्र में दो डिस्ट्रिक्ट भिवानी और महेन्द्रगढ़ हैं। मेरे और देश के लिए यह गर्व की बात है यहां भारत के किसी भी जिले की तुलना में सबसे ज्यादा सैनिक हैं। दुख की बात यह है कि जब भी सैनिकों के साथ कोई दुर्घटना होती है तो इसमें मेरे लोकसभा क्षेत्र के दो-जवान जरूर होते हैं। ...(व्यवधान) अब तक जितनी भी दुर्घटनाएं हुई हैं, करीब छः जवान मेरे लोकसभा क्षेत्र से हैं। यह बेहद अफसोस की बात है कि जो सैनिक दुर्घटना में मारा जाता है, उसे शहीद का दर्जा नहीं दिया जाता है।...(व्यवधान) 22 दिसंबर, 2015 को द्वारका, 31 मई, 2016 में महाराष्ट्र के पुलगांव, और 23 जुलाई, 2016 को बंगाल की खाड़ी में भारतीय सेना का विमान क्रैश हुआ और 19 सैनिक मारे गए।...(व्यवधान)

मेरा आपके माध्यम से रक्षा मंत्री जी से निवेदन है कि विमान दुर्घटना में या ड्यूटी पर जो सैनिक मारे जाते हैं, चाहे आगजनी के बचाव में मारे जाते हैं, उन्हें शहीद का दर्जा दिया जाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री राहुल कस्वां,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री अरविंद सावंत,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे,

श्री विनायक भाऊराव राऊत,

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे और

श्री गोपाल शेट्टी को श्री धर्मवीर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।